Cd – गलील में यीशु की स्वीकृति युहोन्ना ४ का ४३ से ४५ | 1

– Save This Page as a PDF–

गलील में यीशु की स्वीकृति

युहोन्ना ४:४३-४५

[सामरिया में] दो दिन के बाद वह गलील को चला गया। यह ईसा मसीह का पहला प्रमुख प्रचार दौरा था। (अब येशुआ ने स्वयं बताया था कि एक पैगम्बर का अपने ही देश में कोई सम्मान नहीं है) । जब वह गलील में पहुंचे तो गलीलवासियों ने भी उनका स्वागत किया।

सामरियों ने यीशु पर विश्वास किया, किसी और की कहानी के कारण नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि उन्होंने खुद उसे इस तरह से बोलते हुए सुना था जो उन्होंने पहले कभी नहीं सुना था और उसके शब्दों के कारण कई और लोग विश्वासी बन गए (४:४१)। गलीलियों ने उस पर विश्वास किया, इसलिए नहीं कि किसी ने उन्हें उसके बारे में बताया था, बल्कि इसलिए कि उन्होंने वह सब कुछ देखा था जो उसने यरूशलेम में फसह के पर्व पर किया था, क्योंकि वे भी वहाँ थे। न तो सामरी, न ही गलीलियों ने मसीहा के शब्दों या कार्यों का खंडन कर सके।

यहूदिया में यीशु का सेबकाई २६ इसाई के अप्रैल में फसह महोत्सव के बाद हुआ और संभवतः अगले दिसंबर तक चला। यह उस अभिव्यक्ति के अनुरूप होगा जिसका प्रयोग येशुआ ने जैकब के कुएं पर अपने शिष्यों से बात करते समय किया था: क्या आपके पास यह कहावत नहीं है, “फसल कटने में अभी भी चार महीने बाकी हैं?” मैं तुमसे कहता हूं, अपनी आंखें खोलो और खेतों को देखो! वे फसल के लिए पक चुके हैं (यूहन्ना ४:३५)। चूँकि उन क्षेत्रों में फसल अप्रैल से मई तक होती थी। ऐसा लगता है कि प्रेरित लगभग चार महीने के लिए अपने पुराने व्यवसाय में लौट आए, और महान गैलीलियन मंत्रालय, जो २७ ईस्वी की शरद ऋतु में शुरू हुआ, लगभग डेढ़ साल या २९ इसाई के वसंत तक चला।

भविष्यवाणी ने गलील को आशा के एक नए युग की शुरुआत के स्थान के रूप में इंगित किया। अन्धकार में रहने वाले लोग महान् प्रकाश देखेंगे; मृत्यु की छाया की भूमि में रहने वालों पर एक प्रकाश का उदय होगा (यशायाह Cj पर मेरी टिप्पणी देखें – वह अन्यजातियों के गलील का सम्मान करेगा)। यशायाह ने ईसा के आगमन से आठ शताब्दी पहले उस भविष्यवाणी के बारे में बात की थी, जबकि इस्राएली अभी भी अश्शूर के जुए से घिरे हुए थे।

Cd – गलील में यीशु की स्वीकृति युहोन्ना ४ का ४३ से ४५ | 2



यह उचित था कि यीशु के सेबकाई का ध्यान गलील
में अपनी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति पाए। यह फिलिस्तीन का सबसे सुंदर, उत्पादक और सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्र था। अपने मजबूत मछुआरों के साथ गलील का उज्ज्वल धूप वाला सागर, एक सुंदर देश से घिरा हुआ, उसकी खुशखबरी के लिए एक उपयुक्त स्थान (यदि कोई हो सकता है) था। अन्यजातियों का गलील सार्वभौमिक सुसमाचार का उद्गम स्थल था। चमत्कार करने वाले रब्बी को भीड़ में घुलना-मिलना पसंद था। वह मानव जाति से प्रेम करते थे और यहां उन्हें सभी प्रकार के विषम तत्वों से बनी घनी आबादी मिली। मसीहा अपने चुने हुए लोगों के क्षितिज पर आया (प्रथम पतरस २:९), लालायित प्रेम के उज्ज्वल सूर्य के रूप में। मास्टर शिक्षक के रूप में, उनकी महान बुद्धि ने गलील को उनके अंधकार के बीच एक महान प्रकाश के रूप में प्रकाशित किया।